



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-02-2026

कानपुर-देहात(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-02-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-02-18	2026-02-19	2026-02-20	2026-02-21	2026-02-22
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	29.0	29.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	13.0	15.0	17.0	16.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	87	93	96	87	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	37	39	42	37	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	7	6	7	10
पवन दिशा (डिग्री)	126	103	353	354	296
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	2	2	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं				

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, पहले, चौथे और पाँचवें दिन आसमान साफ रहेगा और शेष दिनों में हल्की से मध्यम बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 29.0-31.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 4-5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है, और न्यूनतम तापमान 13.0-17.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता का अधिकतम और न्यूनतम स्तर 80-96% और 35-42% के बीच रहेगा। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व और उत्तर-पश्चिम है और हवा की गति 6.0-10.0 किमी प्रति घंटा के बीच रहेगी, जिसमें सामान्य से 4-5 किमी प्रति घंटा अधिक की रफ्तार से हवा के झोंके आने की संभावना है।

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, पहले, चौथे और पाँचवें दिन आसमान साफ रहेगा और शेष दिनों में हल्की से मध्यम बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 29.0-31.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 4-5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है, और न्यूनतम तापमान 13.0-17.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता का अधिकतम और न्यूनतम स्तर 80-96% और 35-42% के बीच रहेगा। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व और उत्तर-पश्चिम है और हवा की गति 6.0-10.0 किमी प्रति घंटा के बीच रहेगी, जिसमें सामान्य से 4-5 किमी प्रति घंटा अधिक की रफ्तार से हवा के झोंके आने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।
भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की खड़ी फसलों में सिचाई का कार्य आवश्कतानुसार करें तथा परिपक्व फसलों की कटाई एवं मढ़ाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।

किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की खड़ी फसलों में सिचाई का कार्य आवश्कतानुसार करें तथा परिपक्व फसलों की कटाई एवं मढ़ाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की खड़ी फसलों में सिचाई का कार्य हवा शांत होने पर ही करें, अन्यथा की स्थिति में फसल के गिरने की सम्भावना अधिक रहती है। जायद मक्का, उर्द व ग्रीष्म कालीन सज्जियों की बुआई के लिए खाद व बीज की व्यवस्था कर बुवाई का कार्य उचित नमी पर करें। कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों के लिए अलग -अलग अथवा उपकरणों को साफ पानी से धोकर ही प्रयोग करें तथा कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों का छिड़काव हवा के विपरीत दिशा में खड़े होकर छिड़काव या बुरकाव न करें। छिड़काव यथा सम्भव हो तो सायंकाल के समय करें, छिड़काव के बाद खाने-पिने से पूर्व हाथों को साबुन या हैंड वाश से अच्छी तरह से धो लेना चाहिए तथा कपड़ों को धोकर नहा लेना चाहिए।

किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की खड़ी फसलों में सिचाई का कार्य हवा शांत होने पर ही करें, अन्यथा की स्थिति में फसल के गिरने की सम्भावना अधिक रहती है। जायद मक्का, उर्द व ग्रीष्म कालीन सज्जियों की बुआई के लिए खाद व बीज की व्यवस्था कर बुवाई का कार्य उचित नमी पर करें। कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों के लिए अलग -अलग अथवा उपकरणों को साफ पानी से धोकर ही प्रयोग करें तथा कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों का छिड़काव हवा के विपरीत दिशा में खड़े होकर छिड़काव या बुरकाव न करें। छिड़काव यथा सम्भव हो तो सायंकाल के समय करें, छिड़काव के बाद खाने-पिने से पूर्व हाथों को साबुन या हैंड वाश से अच्छी तरह से धो लेना चाहिए तथा कपड़ों को धोकर नहा लेना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

खड़ी फसलों में सिचाई का कार्य आवश्कतानुसार करें तथा परिपक्व फसलों की कटाई, मढ़ाई एवं जायद फसलों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।

खड़ी फसलों में सिचाई का कार्य आवश्कतानुसार करें तथा परिपक्व फसलों की कटाई, मढ़ाई एवं जायद फसलों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	किसानों को सलाह दी जाती है कि गेहूँ की फसल में चौथी सिंचाई 80-85 दिन बाद (बाली निकलने के पूर्व) करें। गेहूँ की फसल में चूहों का प्रकोप दिखाई देने पर जिंक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्युमिनियम फास्फाइड की टिकिया का प्रयोग करें। चूहों की रोकथाम के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करें।
सरसों	सरसों की फलियाँ 75 % सुनहरे रंग की हो जाने पर फसल की कटाई करें। सरसों के फसल की कटाई के बाद फसल को सूखा कर मढ़ाई करने के पश्यात बीज को अलग कर लें। सरसों की फसल में माँहू कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफास 20 % ईसी 1.0 लीटर/ हेक्टेयर या मोनोक्रोटोफॉस 36 % एस.एल.की 500 मिली० /हेक्टेयर की दर से 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
फील्ड पी	मटर की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बैंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
चना	चने की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बैंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
मक्का	जायद मक्के की संस्तुति संकुल प्रजातियाँ- तरूण, नवीन, माही, कंचन, गौरव, स्वेता, आजाद उत्तम एवं शंकर प्रजातियाँ- प्रकाश, दिकाल्ब- 7074, दिकाल्ब- 9108, दिकाल्ब- 9208, दिकाल्ब- 9141, दिकाल्ब- 9165, दिकाल्ब- 9217, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-१३३ आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए २०-२५ किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति १८-२० किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।

फसल		फसल विशिष्ट सलाह
काला चना	जायद उर्द की संस्तुति जातियां- टा-9 , नरेन्द्र उर्द-1, आजाद उर्द-1, आजाद उर्द-2, शेखर-2, सुजाता , पीयू-40 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। जायद उर्द के फसल की बुवाई के लिए २५-३० किलोग्राम बीज/हेक्टर की दर से बीज की बुवाई करें।	
गेहूँ	किसानों को सलाह दी जाती है कि गेहूँ की फसल में चौथी सिंचाई ८०-८५ दिन बाद (बाली निकलने के पूर्व) करें। गेहूँ की फसल में चूहों का प्रकोप दिखाई देने पर जिंक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्युमिनियम फास्फाइड की टिकिया का प्रयोग करें। चूहों की रोकथाम के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करें।	
सरसों	सरसों की फलियाँ ७५ % सुनहरे रंग की हो जाने पर फसल की कटाई करें। सरसों के फसल की कटाई के बाद फसल को सूखा कर मढ़ाई करने के पश्यात बीज को अलग कर लें। सरसों की फसल में माँहू कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफास २० % ईसी १.० लीटर/ हेक्टर या मोनोक्रोटोफॉस ३६ % एस.एल.की ५०० मिली० /हेक्टर की दर से ५०० से ६०० लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।	
फील्ड पी	मटर की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस २५ ईसी @ २ लीटर प्रति हेक्टर या इमामेक्टिन बेंजोएट ५% १८०- २०० ग्राम प्रति हेक्टर ५०० से ६०० लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।	
चना	चने की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस २५ ईसी @ २ लीटर प्रति हेक्टर या इमामेक्टिन बेंजोएट ५% १८०- २०० ग्राम प्रति हेक्टर ५०० से ६०० लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।	
मक्का	जायद मक्के की संस्तुति संकुल प्रजातियां- तरुण, नवीन, माही, कंचन, गौरव, स्वेता, आजाद उत्तम एवं शंकर प्रजातियां- प्रकाश, दिकाल्ब- ७०७४, दिकाल्ब- ९१०८, दिकाल्ब- ९२०८, दिकाल्ब- ९१४१, दिकाल्ब- ९१६५, दिकाल्ब- ९२१७, पीएचबी- ८१४४, दक्कन ११५, एम.एम.एच.-१३३ आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए २०-२५ किलोग्राम बीज/हेक्टर तथा शंकर प्रजाति १८-२० किलोग्राम बीज / हेक्टर की दर से बुवाई करें।	
काला चना	जायद उर्द की संस्तुति जातियां- टा-९ , नरेन्द्र उर्द-१, आजाद उर्द-१, आजाद उर्द-२, शेखर-२, सुजाता , पीयू-४० आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। जायद उर्द के फसल की बुवाई के लिए २५-३० किलोग्राम बीज/हेक्टर की दर से बीज की बुवाई करें।	

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी		बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू के फसल की खुदाई के १५-२० दिन पूर्व फसल की लॉक को काट दे, जिससे कन्द के छिल्के मजबूत हो जाय और आलू के सड़ने की संभावना कम हो जाती है।	
प्याज	प्याज की फसल में बैंगनी धब्बा रोग का प्रकोप २८ - ३० डिग्री सेल्सियस तापक्रम तथा ८० - ९० % सापेक्षिक आर्द्रता की स्थिति पर यह रोग अधिक प्रभावित होता है अतः इसके रोकथाम हेतु कॉपर आक्सीक्लोराइड ०.३ % (३ ग्राम /लीटर पानी) अथवा मैकोजेब ०. २५ % (०. २५ ग्राम /लीटर पानी) की दर से घोलबनाकर १५ -२० दिन के अन्तराल पर ३-४ छिड़काव करें। ग्रीष्म कालीन मौसम में बोई जाने वाली सब्जिओं जैसे- भिण्डी, तोरी, खीरा, करेला, लौकी एवं कद्दू आदि की बुवाई करें।	
आम	आम के बौर में मिज कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु फेनिट्रोथियान १.० मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के बागों में भुनगा एवं लस्सी कीट प्रकोप दिखाई देने के आसार है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफॉस २० ई सी २.० मिलीलीटर या फेनिट्रोथियान ५० ई सी ३.० मिलीलीटर/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।	
आलू	आलू के फसल की खुदाई के १५-२० दिन पूर्व फसल की लॉक को काट दे, जिससे कन्द के छिल्के मजबूत हो जाय और आलू के सड़ने की संभावना कम हो जाती है।	
प्याज	प्याज की फसल में बैंगनी धब्बा रोग का प्रकोप २८ - ३० डिग्री सेल्सियस तापक्रम तथा ८० - ९० % सापेक्षिक आर्द्रता की स्थिति पर यह रोग अधिक प्रभावित होता है अतः इसके रोकथाम हेतु कॉपर आक्सीक्लोराइड ०.३ % (३ ग्राम /लीटर पानी) अथवा मैकोजेब ०. २५ % (०. २५ ग्राम /लीटर पानी) की दर से घोलबनाकर १५ -२० दिन के अन्तराल पर ३-४ छिड़काव करें। ग्रीष्म कालीन मौसम में बोई जाने वाली सब्जिओं जैसे- भिण्डी, तोरी, खीरा, करेला, लौकी एवं कद्दू आदि की बुवाई करें।	
आम	आम के बौर में मिज कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु फेनिट्रोथियान १.० मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के बागों में भुनगा एवं लस्सी कीट प्रकोप दिखाई देने के आसार है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफॉस २० ई सी २.० मिलीलीटर या फेनिट्रोथियान ५० ई सी ३.० मिलीलीटर/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।	

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन		पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस		पशुओं के व्याने के बाद 750 ग्राम सरसो का तेल, 100 ग्राम हल्दी, 50 ग्राम सोंठ, 50 ग्राम जीरा , 500 ग्राम गुड़ के मिश्रण की ओटी बनाकर सुबह - शाम तीन दिन तक खिलाये। वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सुबह-शाम पशुओं के ऊपर झूल डालें, जानवरों को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुधरे स्थान पर रखें।
भेंस		पशुओं के व्याने के बाद 750 ग्राम सरसो का तेल, 100 ग्राम हल्दी, 50 ग्राम सोंठ, 50 ग्राम जीरा , 500 ग्राम गुड़ के मिश्रण की ओटी बनाकर सुबह - शाम तीन दिन तक खिलाये। वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सुबह-शाम पशुओं के ऊपर झूल डालें, जानवरों को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुधरे स्थान पर रखें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। चूजों को ठंड से बचाने हेतु पर्याप्त गर्मी की व्यवस्था करें।
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। चूजों को ठंड से बचाने हेतु पर्याप्त गर्मी की व्यवस्था करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।
भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की खड़ी फसलों में सिचाई का कार्य आवश्कतानुसार करें तथा परिपक्व फसलों की कटाई एवं मढ़ाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।
किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की खड़ी फसलों में सिचाई का कार्य आवश्कतानुसार करें तथा परिपक्व फसलों की कटाई एवं मढ़ाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।

Farmers are advised to download Unified **Mausam** and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details/>